List of New Course(s) Introduced

Department : *Hindi*

Program Name : *B.A. (Hons.) Hindi*

Academic Year : 2018-19

List of New Course(s) Introduced

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
01.	B.A.Hindi/DSEC-1	लोक साहित्य
02.	B.A.Hindi/DSEC-2	राष्ट्रीय काव्यधारा
03.	B.A.Hindi/DSEC-3	छायावाद
04.	B.A.Hindi/DSEC-4	प्रेमचंद
05.	AR/AIN/GEC-101	कला और साहित्य
06.	AR/AIN/GEC-102	आधुनिक भारतीय साहित्य
07.	AR/AIN/GEC-201	पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिदी साहित्य
08.	AR/AIN/GEC-202	सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र
09.	B.A.Hindi/AECC-1	हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण
10.	B.A.Hindi/AECC-2	हिन्दी भाषा एक सामान्य परिचय

Minutes of Meetings (MoM) of Board of Studies (BoS)

Academic Year : 2018-19

School : *School of Studies of Engineering and Technology*

Department : *Chemical Engineering*

Date and Time : *May 26, 2019 – 11:30 AM*

Venue : *E-Class Room*

हिन्दी स्नातक प्रतिष्ठा के लिए पाठ्यक्रम निर्माण के उद्देश्य से कला अध्ययनशाला के अंतर्गत हिन्दी विभाग में अध्यायांमंडल की बैठक आहूत की गयी जिसमें निम्नलिखित सदस्य भागीदार रहे -

1. डॉ.रमेश कुमार गोहे. (विभागाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, अध्ययन मंडल)
2. डॉ. वीरेन्द्र मोहन (वाह्य विशेषज्ञ)
3. श्री मुरली मनोहर सिंह, सदस्य (सहा.प्रा.)

बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर विचार किया गया -

1. पूर्व स्वीकृत CBCS प्रणाली की यथावत स्वीकृति
2. स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम की यथावत स्वीकृति
3. DSEC, GEC, AECC, SEC को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया

समिति की बैठक में पाठ्यक्रम की CBCS प्रणाली पर परिचर्चा करते हुए अपनी सहमति प्रदान की| निम्नलिखित नई पाठ-योजनाओं को स्नातक प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया -

DSEC:- लोक साहित्य AR/HIDSO501L
राष्ट्रीय काव्यधारा AR/HIDSO502L
छायावाद AR/HIDSO601L
प्रेमचंद AR/HIDSO602L+T

GEC :- कला और साहित्य AR/AIN/GEC-101
आधुनिक भारतीय साहित्य AR/AIN/GEC-102
पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य AR/AIN/GEC-201
सर्जनात्मक लेखन के विविध आयाम AR/HIGEO401L

AECC :- हिन्दी व्याकरण और सम्प्रेषण HNAECC101T
हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण HNAECC102T

SEC:- रचनात्मक लेखन AR/HISCO301L
साहित्य और हिन्दी सिनेमा AR/HISCO401L

(प्रो. देवेन्द्र नाथ सिंह)
अध्यक्ष / HOD
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Signature & Seal of HoD

6

DSEC

1- लोक साहित्य

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति,

लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का

वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।

- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

पर लोकनाट्यों का प्रभाव।

- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

2-राष्ट्रीय काव्यधारा DSEC (7)

1– मैथिलीशरण गुप्त
क– मात्रभूमि
ख – निरख सखी ए खंजन आये

2– माखनलाल चतुर्वेदी
क– कैदी और कोकिला
ख– जलियावाला बेदी

3–सोहनलाल द्विवेदी
क– कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती
ख– बढे चलो बढे चलो

4– बाल कृष्ण शर्मा नवीन
क– विप्लव गायन
ख – हम अनिकेतन

5– रामधारी सिंह दिनकर
क– कलम आज उनकी जय बोल
ख– गांधी

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

(8)

DSEL

3– छायावाद

जयशंकर प्रसाद –

1– आंसू काव्य खंड के प्रथम 15 पद (सन्दर्भ- आंसू खंड काव्य)

2– ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे धीरे (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें –जयशंकर प्रसाद)

3– अरुण यह मधुमय देश हमारा (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें –जयशंकर प्रसाद)

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

1. ध्वनि
2. बादल राग -6
3. बांधो न नाव इस ठांव बंधु (समस्त कवितायें राग विराग संग्रह से)

सुमित्रानंदन पंत

1. नौका विहार
2. मौन निमंत्रण
3. मोह (सन्दर्भ- समस्त कवितायें तारापथ संकलन से)

महादेवी वर्मा

1- जो तुम आ जाते एक बार

2.मधुर मधुर मेरे दीपक जल

3.पंकज कली (सन्दर्भ-समस्त कवितायें प्रतिनिधि कविताएं महादेवी वर्मा से)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

(9)

DSEC

4. प्रेमचंद

- उपन्यास – सेवासदन
- नाटक – कर्बला
- निबंध – साहित्य का उद्देश्य
- कहानियाँ – पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा।

अध्यक्ष HOD
हिन्दी विभाग Department of Hindi
गुरु घासीदास वि.वि. G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) Bilaspur (C.G.)

GEC

(10)

पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-101

1. कला और साहित्य

- कला और साहित्य का अंतःसंबंध
- कला और समाज का अंतःसंबंध
- कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण
- भारतीय कला का विकास
- भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय महत्व
- कला और हिन्दी साहित्य के सम्बंध की परपंरा
- लोक–कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व
- भारतीय नाट्य कला

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

GEC (11)

पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-102

2. आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

पाठ्य पुस्तकें

(उपन्यास)

आनंद मठ – बंकिम चंद्र

मृत्युंजय – शिवाजी सावंत आवरण – भैरप्पा

- सुब्रमण्यम भारती की कविताएँ – प्रतिनिधि 5 कवितायें

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-201 GEC (12)

3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्त्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

13

पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-202 GEC

4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

- रिपोर्ताज़ : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।
- फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री–निर्धारण, लेखन–प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार–प्रविधि, महत्त्व।
- स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य–सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

AECC

(14)

1. हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

- हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

SEC

(16)

1. रचनात्मक लेखन

- रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत

  भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

  विविध अभिव्यक्ति–क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन,

  विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ

  जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति

  लेखन के विविध रूप : मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर, नाट्य–पाठ्य

- रचनात्मक लेखन : भाषा–संदर्भ

  अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ–मीमांसा, शब्द के प्राक्–प्रयोग, नव्य–प्रयोग

  भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग–सापेक्ष, समूह–सापेक्ष

- रचनात्मक लेखन : रचना–कौशल–विश्लेषण

  रचना–सौष्ठव : शब्द–शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं

- विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

  क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा–सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

  ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श

  ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

  घ. विविध गद्य–विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य

  ड. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

- सूचना–तंत्र के लिए लेखन

  प्रिंट माध्यम : फीचर–लेखन, यात्रा–वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा

  इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

(17)

2. SEC

साहित्य और हिन्दी सिनेमा

- सिनेमा और समाज : विश्व में सिनेमा का उदय, मध्यवर्ग, आधुनिकता और सिनेमा, मनोरंजन माध्यमों का जनतंत्रीकरण और सिनेमा, सिनेमा और समाज, सिनेमा की सामाजिक भूमिका, सिनेमा : कला या मनोरंजन, मनोरंजन माध्यमों की राजनीति, साहित्य और सिनेमा, प्रमुख सिने सिद्धान्त।
- सिनेमा का तकनीकी पक्ष : फिल्म निर्माण की प्रक्रिया, सिनेमा : सृजन की सामूहिकता, सिनेमा की भाषा, निर्देशन, पटकथा, छायांकन, सिने संगीत, अभिनय और संपादन, सेंसर बोर्ड, सिनेमा का वितरण और व्यवसाय, सिनेमाघर।
- हिन्दी सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास : प्रारंभिक दौर का सिनेमा, स्वतंत्रता आन्दोलन और हिन्दी सिनेमा, भारतीय मध्यवर्ग और हिन्दी सिनेमा, भारतीय लोकतंत्र और हिंदी सिनेमा, सिनेमा में भारतीय समाज का यथार्थ, सिनेमाई यथार्थवाद और समानान्तर सिनेमा, भूमंडलीकरण बाजारवाद और हिन्दी सिनेमा, बाल फिल्में, तकनीकी क्रांति और हिन्दी सिनेमा।
- साहित्य और सिनेमा : अंतस्संबंध, सिनेमा और उपन्यास, संवेदना का रूपान्तरण और तकनीक।
- फिल्म समीक्षा : बैंडिट क्वीन

आरंभ से 1947	:	राजा हरिश्चंद्र, अछूत कन्या, ~~अनमोल घड़ी~~, देवदास
1947 से 1970	:	मदर इंडिया, दो आँखें बारह हाथ, तीसरी कसम, नया दौर
1970 से 1990	:	गर्म हवा, ~~बॉबी~~, शोले, आँधी।, आक्रोश
1990 से अद्यतन	:	तारे जमीं पर, थ्री इडियट्स, दिलवाले ~~दुल्हनिया ले जाएँगे, मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस.~~, पान सिंह तोमर, मैरी कॉम। बैंडिट क्वीन

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)